Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 03 सितंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 337

महत्वपूर्ण एवं खास

बहरोड़ : हाइवे पर गोवंश को बचाने के प्रयास में बेकाबू बस दूसरी लेन में ट्रोले से भिड़ी, 1 की मौत, 24 लोग घायल

बहरोड़ (आरएनएस)। जयपुर दिल्ली नेशनल हाइवे 48 पर मोहलडिया गांव के पास दिल्ली से जयपुर जा रही सवारियों से भरी निजी बस अचानक सामने आए गोवंश को बचाने के प्रयास में बेकाबू हो गई। डिवाइडर कूदकर बस दूसरी लेन में सामने से आते ट्रोले से जाकर टकराई और पलट गई। हादसे में दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। लोगों ने बस में फंसी हुई सवारियों को खिडक़ी के शीशे तोडक़र बाहर निकाला। एम्बुलेंस की सहायता से नीमराना के सचखंड अस्पताल व कैलाश हॉस्पिटल, इंदु हॉस्पिटल, में घायल सवारियों को भर्ती कराया गया। इनमें से सचखंड अस्पताल में भर्ती जयपुर निवासी अनिल कुमार की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। जबकि घायल राजकुमार शर्मा पुत्र जगदीश शर्मा मोहल्ला बड़ा बास कोटपुतली, रॉबिन पुत्र राधेश्याम राजपूत निवासी जयपुर, खगोती पत्नी हरिराम निवासी आगरी जयपुर सहित कई का इलाज चल रहा है। हादसे के बाद काफी देर तक जाम लगा रहा। पुलिस तैनात कर भीड़ को हटाने के बाद जाम खुलवाया गया है।

माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर भूस्खलन, तीन श्रद्धालुओं की मौत

कटड़ा (आरएनएस)। माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग से बड़ी खबर सामने आई है।खबर यह है कि यहां लैंडस्लाइड हुआ है जिसमें दो महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई जबकि एक लडक़ी गंभीर रूप से घायल है। फिलहाल रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सीईओ ने पुष्टि की है कि मंदिर के रास्ते पर पत्थर गिरने और भूस्खलन की घटना हुई है। श्राइन बोर्ड की आपदा प्रबंधन टीम तुरंत मौके पर पहुंची और प्रभावित लोगों को बचाने और सहायता प्रदान करने के प्रयास जारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि दोपहर करीब 2 बजकर 35 मिनट पर भवन से तीन किलोमीटर आगे पंछी के पास भूस्खलन हुआ, जिससे ऊपरी लोहे की संरचना का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया।

योगी सरकार की बड़ी कार्यवाई, 26 चिकित्सकों को किया बर्खास्त

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने कार्यों में लापरवाही बरतने, गैरहाजिर रहने और आदेशों के उल्लंघन पर बड़ी कार्रवाई की है। प्रदेश के 26 चिकित्सकों को एक महीने का नोटिस देते हुए शासकीय सेवा से तत्काल बर्खास्त करने के निर्देश दिए गए हैं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का कहना है कि प्रदेश की जनता को उच्च कोटि की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इनमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्वाति मालीवाल से बदसलूकी केस में विभव कुमार को बड़ी राहत, सुप्रीमकोर्ट से मिली जमानत

नई दिल्ली (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ बदसलूकी के मामले में जेल में बंद विभव कुमार को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। कोर्ट ने विभव कुमार को कुछ शर्तों के साथ जमानत दी है, यह निर्णय जांच पूरी होने और चार्जशीट दाखिल होने के आधार पर लिया गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार विभव कुमार सीएम ऑफिस और उनके आवास नहीं जाएंगे। वह इस केस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। विभव को कोई सरकारी पद नहीं दिया जाएगा। आम आदमी पार्टी भी इस केस की मेरिट पर कोई टिप्पणी नहीं करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देते हुए टिप्पणी की कि यदि चोटें साधारण हों, तो किसी व्यक्ति को 100 दिनों से अधिक समय तक जेल में नहीं रखा जा सकता। अदालत ने औसत दर्जे की रिपोर्ट पर ध्यान देते हुए संतुलन बनाने की सलाह दी और जमानत का विरोध न करने की बात की। सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि विभव कुमार पहले से ही 100 दिनों से अधिक समय से जेल में बंद हैं और मामले में 51 से अधिक गवाह हैं। ऐसे में सुनवाई में अधिक समय लगने की संभावना है। बता दें, स्वाति मालीवाल से जुड़े कथित मारपीट के मामले में गिरफ्तार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी विभव कुमार 18 मई को गिरफ्तार हुए थे। इसे बाद निचली अदालत और दिल्ली हाईकोर्ट ने विभव की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुईयां की बेंच ने सुनवाई के बाद विभव को जमानत दे दी है।

किसानों को मोदी सरकार की बड़ी सौगात, कैबिनेट ने 7 प्रस्तावों को दी स्वीकृति

नई दिल्ली । आरएनएस

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने किसानों की आय में वृद्धि तथा पशुधन, बागवानी और कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का प्रयोग बढाने के लिए 13966 करोड़ रुपए के विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं को स्वीकृति दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को यहां हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कृषि डिजिटल, कृषि शिक्षा, अनुसंधान, किसान कोष और कृषि विकास केंद्र को मजबूत करने संबंधी 7 कार्यक्रमों और योजनाओं के प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि सरकार ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित बनाने में कृषि के योगदान को बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं और कार्यक्रम शुरु किये हैं। इसी कड़ी में कृषि के विकास और किसान कल्याण के लिए 13,966 करोड़ रुपए के प्रस्तावों को स्वीकृति दी गयी है।

वैष्णव ने बताया कि 2817 करोड़ रुपए से डिजिटल कृषि मिशन आरंभ किया जाएगा जिससे किसानों को अपने कृषि आदानों के लिए आसानी से ऋण उपलब्ध होगा और कागजी प्रक्रिया घटेगी। इस कार्यक्रम में किसान और कृषि की जानकारी डिजिटल की जाएगी।

उन्होंने बताया कि खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए 3979 करोड़ की योजना बनायी गयी है। इसके अंतर्गत कृषि अनुसंधान पर जोर दिया जाएगा। इसके अलावा कृषि शिक्षा, प्रबंधन एवं सामाजिक विज्ञान के लिए 2291 करोड़ का कार्यक्रम शुरु किया जाएगा। इसमें जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न कृषि संबंधी चुनौतियों से निपटने पर जोर दिया जाएगा। पशुधन स्वास्थ्य एवं उत्पादन बढ़ाने के लिए 1702 करोड़ रुपए की योजनायें बनायी गयी है। इसमें पशुओं के स्वास्थ्य, डेयरी उत्पादन और संसाधन आदि पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बागवानी के विकास के लिए 860 करोड़ रुपए की योजना तैयार की गयी है। इसमें फल, फूल, कंदमूल और सब्जी आदि पर जोर दिया जाएगा।

वैष्णव ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों को सुदृढ़ बनाने के लिए 1202 करोड़ रुपए खर्च किये जाएंगे। इसके अलावा प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के लिए 1115 करोड़ रुपए का कार्यक्रम तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार लगातार किसान कल्याण एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए काम कर रही है और निरंतर निर्णय कर रही है।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में बाढ़ से मची तबाही : 9 लोगों की मौत, एनडीआरएफ की 26 टीमें तैनात

हैदराबाद । आरएनएस

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश से हालात गंभीर हो गए हैं। बाढ़ की चपेट में आने से दोनों राज्यों के कई इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश के कारण रेलवे और बस सेवाओं पर भी असर पड़ा है, जिससे लोगों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। एनडीआरएफ की 26 टीमें तैनात की गई हैं, जो प्रभावित इलाकों से लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में जुटी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से संपर्क कर केंद्र की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया है।

तेलंगाना के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने जानकारी दी कि सभी एहतियाती उपायों के बावजूद राज्य में 9 लोगों की जान जा चुकी है। महबूबाबाद और खम्मन ज़िलों में कम से कम तीन लोगों के बाढ़ के पानी में बहने की आशंका जताई जा रही है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एक इमरजेंसी बैठक बुलाई है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश जारी रहने की संभावना जताई है, जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है।

एल्विश यादव की मुश्किलें बढ़ी, सांपों का जहर सप्लाई करने के मामले में यूट्यूबर से फिर पूछताछ करेगी ईडी

नई दिल्ली । आरएनएस

यूट्यूबर एल्विश यादव की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। ईडी ने एल्विश को एक बार फिर से पूछताछ के लिए तलब किया है। जानकारी के मुताबिक उससे लखनऊ स्थित ईडी के दफ्तर में पूछताछ हो सकती है। ये मामले रेव पार्टियों सांपों के जहर की सप्लाई से ही जुड़ा है। उसके खिलाफ मनी लॉड्रिंग का मुकदमा भी दर्ज है।

इससे पहले भी ईडी एल्विश यादव से पूछताछ कर चुकी है। 23 जुलाई को एल्विश से करीब सात घंटे तक पूछताछ की गई थी लेकिन तब भी वो कई सवालों के जवाब देने में बचता रहा या उसने घुमा फिराकर जवाब दिए। जिसके बाद अब ईडी ने उसे फिर से बुलाया है। एल्विश यादव के खिलाफ रेव पार्टियों में सांप के जहर की सप्लाई करने के मामले में बीते साल 8 नवंबर 2023 को केस दर्ज किया गया था। इसके बाद ईडी ने मई 2024 से इस मामले की जांच शुरू की है।

बता दें यूट्यूबर एल्विश यादव बिग बॉस ओटीटी सीजन-2 के विजेता हैं। उन पर जानवरों की संस्था पीपुल्स फॉर एनिमल्स ने रेव पार्टी में सांपों का ज़हर सप्लाई करने का आरोप लगाया था। ये संस्था बीजेपी की पूर्व सांसद मेनका गांधी की संस्था है। पुलिस ने इस संबंध में नोएडा की एक रेव पार्टी से उसके एजेंट और सपेरों को भी गिरफ्तार किया था। पुलिस जब उनसे पूछताछ की तब एल्विश की इस मामले में संलिप्तता सामने आई थी। इसके बाद ईडी ने उसके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। तभी से एल्विश इस मामले में ईडी के रडार पर बना हुआ है। इस मामले में सिंगर फाजिलपुरिया का नाम भी सामने आया था।

राजस्थान एसआई भर्ती मामले में बड़ा एक्शन : अपने बच्चों को पेपर देने वाला पूर्व आरपीएससी सदस्य गिरफ्तार; बेटा-बेटी भी पकड़े

जयपुर । आरएनएस

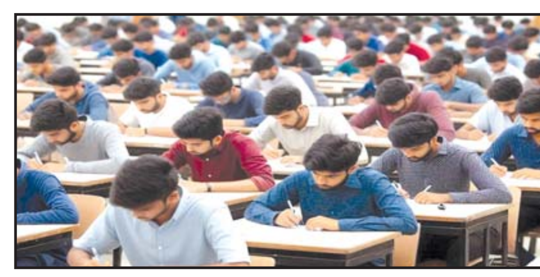

राजस्थान एसआई भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में राज्य की एसओजी टीम ने राजस्थान लोक सेवा आयोग यानी के पूर्व सदस्य रामूराम राईका को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार एसओजी ने रविवार को राईका के बेटे और बेटी के साथ-साथ तीन अन्य प्रशिक्षु एसआई को भी पेपर लीक मामले में कथित संलिप्तता के आरोप में अरेस्ट किया।

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक वीके सिंह ने बताया, आरपीएससी के पूर्व सदस्य राईका को उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा का पेपर अपने बच्चों को उपलब्ध कराने के आरोप में रविवार देर रात गिरफ्तार किया गया। आज राईका को सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा। भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में कथित संलिप्तता के आरोप में रविवार को दो महिलाओं समेत पांच ट्रेनी सब इंस्पेक्टरों को अरेस्ट किया गया था। जिसके बाद सभी पांचों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें सात सितंबर तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया।

एसओजी के आधिकारिक बयान के मुताबिक गिरफ्तार ट्रेनी एसआई में रामूराम राईका की बेटी शोभा राईका और उनका बेटा देवेश राइका शामिल हैं। बयान के अनुसार गिरफ्तार तीन अन्य ट्रेनी एसआई में मंजू देवी, अविनाश पलसानिया और विजेंद्र कुमार शामिल हैं।

बता दें कि एसआई भर्ती परीक्षा-2021 के पेपर लीक मामले में अब तक कुल 61 आरोपियों के खिलाफ तीन अलग-अलग आरोप पत्र पेश किए जा चुके हैं। इन 61 आरोपियों में 33 ट्रेनी स्ढ्ढ, चार चयनित उम्मीदवार जिन्होंने नौकरी ज्वाइन नहीं की और पेपर लीक गिरोह से जुड़े 24 लोग शामिल हैं। बयान के मुताबिक 65 और आरोपियों की तलाश अभी भी जारी है।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

कुकी उग्रवादियों ने गांव पर ड्रोन से बरसाए बम; महिला समेत 2 की मौत-9 घायल

इंफाल । आरएनएस

मणिपुर के घाटी इलाके में संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई और एक पुलिस अधिकारी तथा मृतक महिला की नाबालिग बेटी समेत नौ अन्य घायल हो गए। सुरक्षाबलों ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मणिपुर के पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह ने बताया कि भारी हथियारों से लैस उग्रवादियों ने पहाड़ी की चोटी से अंधाधुंध गोलीबारी की और इंफाल पश्चिम जिले के अंतर्गत कोत्रुक और पड़ोसी कडांगबंद के निचले घाटी इलाकों में बम भी फेंके। इस गोलीबारी में 31 वर्षीय महिला और एक ग्रामीण की मौत हो गई, जबकि महिला की आठ वर्षीय बेटी और एक पुलिस अधिकारी समेत नौ अन्य लोग घायल हो गए।

अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध उग्रवादियों के अचानक हमले से तनाव और दहशत फैल गई। इसके कारण महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गो समेत कई ग्रामीण सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने के लिए भाग गए। मारी गई मैतेई समुदाय की महिला की पहचान नगांगबाम सुरबाला देवी के रूप में हुई। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) ले जाया गया। महिला की बेटी, पुलिस अधिकारी एन. रॉबर्ट (30) और अन्य घायलों को भी आरआईएमएस और अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

जब गोलीबारी शुरू हुई तो महिला और अन्य लोग अपने घरों में थे। गोलीबारी और बम हमलों में कई घर भी क्षतिग्रस्त हो गए। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवानों की एक बड़ी टुकड़ी राज्य बलों के साथ इलाके में पहुंची और उग्रवादियों को पकडऩे के लिए तलाशी अभियान शुरू किया। उग्रवादियों के हमले के तुरंत बाद मणिपुर गृह विभाग ने एक बयान में कहा कि राज्य सरकार को रविवार को ड्रोन, बम और कई अत्याधुनिक हथियारों का उपयोग करके निहत्थे कोत्रुक ग्रामीणों पर हमले की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बारे में पता चला है। इसमें कहा गया है कि कुकी उग्रवादियों ने दो लोगों की जान ले ली और कई लोगों को घायल कर दिया। निहत्थे ग्रामीणों पर आतंक फैलाने के ऐसे कृत्यों को सरकार बहुत गंभीरता से लेती है, जबकि राज्य सरकार राज्य में सामान्य स्थिति और शांति लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

गृह विभाग के बयान में कहा गया है कि कुकी उग्रवादियों द्वारा निहत्थे ग्रामीणों के बीच उत्पात मचाने की ऐसी हरकत को राज्य सरकार द्वारा राज्य में शांति स्थापित करने के प्रयासों को पटरी से उतारने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। साथ ही कहा गया है कि इस तरह के कृत्यों की कड़ी निंदा की जाती है। बयान में कहा गया है कि राज्य सरकार ने स्थिति को नियंत्रित करने और इंफाल पश्चिम जिले के कोत्रुक गांव में रविवार को हुए हमले में शामिल लोगों को दंडित करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

उत्तराखंड में भारी बारिश के बाद भूस्खलन से राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात ठप

देहरादून । आरएनएस

देहरादून के विकासनगर में सोमवार सुबह भारी बारिश की वजह से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। जिले में जोनसर के पहाड़ी क्षेत्र में भूस्खलन होने से राजमार्ग ठप हो गया। इसके अलावा प्रशासन को ककाडी खड्ड के भी पास भारी मलबा इक_ा होने और जजरेड की पहाडिय़ों से लगातार पत्थर गिरने के कारण जिले के कालसी चकराता मोटर मार्ग, ध्वैरा मोड़ को बंद करना पड़ा।

पहाड़ों से लगातार पत्थरों के गिरने के कारण पीडब्ल्यूडी को मार्ग खोलने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बुलडोजर के जरिए मार्ग से मलबे को हटाया जा रहा है। विकास नगर के अलावा प्रदेश के चमोली जिले में भी कई दिनों से हो रही भारी बारिश की वजह से हुए जलभराव और भूस्खलन की वजह से पागल नाला में बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग को बंद करना पड़ा है।

बारिश की वजह से गिरे मलबे और पत्थरों की वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग पर मिट्टी और पत्थरों का ढेर इक_ा हो गया। इसके चलते राजमार्ग पर आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन ठप होने के चलते दोनों तरफ आने और जाने वाहन फंसे हैं। स्थानीय प्रशासन मलबे को हटाकर यातायात बहाल करने की कोशिश में लगा है, लेकिन बीच-बीच में मलबे के गिरने की वजह से काम को रोकना पड़ता है, इससे यातायात बहाल होने में समय लग रहा है। में बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग को बंद करना पड़ा है।

नए ट्रैक्टर की खुशी में जटाशंकर धाम जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्राली पलटी, 4 की मौत

दमोह (आरएनएस)। दमोह जिले के मगरोन थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले फतेहपुर गांव के समीप रविवार रात जटाशंकर धाम जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्राली पलटने से चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई। हादसे में 35 से अधिक घायल हो गए। यह सभी श्रद्धालु नए ट्रैक्टर से ट्रैक्टर का पूजन करने के साथ ही सोमवती अमावस्या पर भगवान के दर्शन करने के लिए जा रहे थे, लेकिन रात 11:00 बजे ट्रैक्टर खाई में पलट गया। सभी घायलों को तत्काल ही इलाज के लिए हटा सिविल अस्पताल और जिला अस्पताल भेजा गया। सोमवार सुबह मृतकों के पोस्टमार्टम करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार जिले के बटियागढ़ ब्लॉक के घूघस गांव निवासी मन्नू राज गोंड ने नया ट्रैक्टर लिया था। इसका पूजन कराने वे गांव के अन्य लोगों के साथ रविवार रात छतरपुर जिले के प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र जटाशंकर धाम जाने के लिए निकले थे। मगरोन थाना के फतेहपुर गांव में तालाब के आगे पहुंचते ही सामने गाय आ गई, जिसे बचाने में ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर करीब 20 फीट गहरी खाई में जाकर पलट गई और सभी श्रद्धालु उसमें दब गए। चीख-पुकार मचते ही स्थानीय लोगों के साथ ही मगरोन पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल इलाज के लिए हटा सिविल अस्पताल लाया गया। जहां 10 वर्षीय हेमेंद्र पिता भगवानदास आदिवासी और एक महिला छोटी बाई पति मनु गोंड (45) की मौत हो गई। वहीं अन्य घायलों का इलाज शुरू किया गया। गंभीर रूप से घायल आठ लोगों को तत्काल ही इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां पर डॉक्टर के द्वारा इलाज शुरू किया गया था, लेकिन इलाज के दौरान लक्ष्मण पिता तिल्ली आदिवासी (17) व गंजली बहू (50) ने दम तोड़ दिया।

शिप्रा में नहाते समय दो बच्चे डूबे

एक ने बचाने के लिए दूसरे का हाथ पकड़ा तो दोनों बह गए

भोपाल । आरएनएस

परिजन को बिना बताए शनिवार को शिप्रा नदी में नहाने गए चार बच्चों में से दो बह गए। रातभर उनकी सर्चिंग चली। अगले दिन रविवार को चार घंटे की मशक्कत के बाद दोनों के शव निकाले गए। लोगों ने बताया कि चारों बच्चे बाहर जाने का बोलकर घर से निकले थे और नदी तरफ पहुंच गए। पहले एक डूबने लगा तो दूसरे ने उसका हाथ पकड़ लिया। इससे दोनों बह गए। पुलिस ने मर्ग कायम किया है। शिप्रा पुलिस के अनुसार मृतकों के नाम महेश उर्फ कुकु (16) पिता दिनेश रावत और सूरज (17) पिता नाथूलाला दायना निवासी ग्राम पलासिया हैं। घटना शनिवार दोपहर करीब 1 बजे की बताई जा रही है। पलासिया गांव के चार नाबालिग घर पर घूमने जाने का बोलकर मंडलावदा गांव के पास स्थित शिप्रा नदी पर पहुंच गए। महेश को तैरना नहीं आता था, इसलिए वह किनारे खड़ा था, जबकि सूरज तैराक था। नहाने के दौरान सूरज ऊपर से कूदा और महेश को भी नहाने ले गया। इसी दौरान महेश डूबने लगा तो सूरज उसे बचाने गया। इस दौरान दोनों डूब गए। दो अन्य दोस्त डरकर घर पहुंच गए। उन्होंने किसी को घटना के बारे में नहीं बताया।

-पुलिस ने पूछा तो बोले- दोनों डूब गए

देर शाम तक जब बच्चे नहीं लौटे तो परिजन को चिंता हुई। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। रात को पुलिस गांव में पहुंची। आशंका के आधार पर दोनों नाबालिगों से पूछताछ की। तब उन्होंने बताया कि वे दोनों नदी में नहा रहे थे और अचानक डूब गए। इसके बाद गांव वाले रात में ही नदी पर पहुंचे और अपने संसाधनों से नदी में रातभर ढूढ़ते रहे, लेकिन अंधेरा होने से उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। रविवार सुबह पुलिस ने एचडीआरएफ की टीम को बुलवाया। टीम की मदद से महेश का शव ढूंढ निकाला गया। दो-चार घंटे बाद सूरज का शव भी बाहर निकाला गया।

-4-4 लाख की आर्थिक सहायता

इस घटना को लेकर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने शोक जताया है। सिलावट ने बताया शासन द्वारा दोनों पीड़ित परिवारों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी।